International Journal of Engineering Applied Science and Management
ISSN (Online): 2582-6948
Vol. 2 Issue 7, July 2021

शिक्षकों के शिक्षण कौशल पर संगठनात्मक वातावरण का प्रभावः उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का अध्ययन

प्रेम चन्द्र कुमार[1], डॉ. धीरज शिन्दें[2]
शोधार्थी, श्री सत्य सांई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सीहोर[1]
निर्देशक, श्री सत्य सांई प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सीहोर[2]

सारांशः *इस अध्ययन में, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संगठनात्मक वातावरण का शिक्षकों के शिक्षण कौशल पर प्रभाव देखने का प्रयास किया गया है। विभिन्न पैरामीटर्स की जांच के माध्यम से यह अध्ययन संगठनात्मक संस्कृति, प्रशासनिक समर्थन, सहयोगात्मक कार्य वातावरण, और शिक्षक प्रशिक्षण के अवसर के बीच संबंध का पता लगाने का प्रयास किया है। अध्ययन के प्रारंभिक निष्कर्ष यह दिखाते हैं कि सकारात्मक और सहयोगात्मक संगठनात्मक वातावरण शिक्षकों के शिक्षण कौशल में सुधार करता है। इससे सामाजिक सहयोग, विकास और प्रशिक्षण के अवसरों की सुविधा में भी सुधार होता है। इससे स्कूल प्रशासनिक नीतियों में सुधार की भी आवश्यकता होती है ताकि शिक्षकों का पेशेवर विकास और शिक्षण कौशल में वृद्धि हो सके।*

मुख्य शब्दः ***संगठनात्मक वातावरण, शिक्षण कौशल, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्रशासनिक समर्थन, सहयोगात्मक कार्य वातावरण, शिक्षक प्रशिक्षण.***

1. प्रस्तावना

शिक्षा एक समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण अंग है और शिक्षक इस प्रक्रिया के महत्वपूर्ण संचालक होते हैं। शिक्षकों के शिक्षण कौशल और उनके शैक्षिक प्रदर्शन प्रभावित करने में संगठनात्मक वातावरण का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में, जहां शिक्षा का स्तर और गुणवत्ता अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है, संगठनात्मक वातावरण का अध्ययन करना और उसका प्रभाव महत्वपूर्ण है।

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कैसे उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संगठनात्मक वातावरण, जिसमें स्कूल की संरचना, संस्कृति, नियम, और नीतियां शामिल होती हैं, शिक्षकों के शिक्षण कौशल पर कैसा प्रभाव डालता है। इस अध्ययन में, हम विभिन्न पैरामीटर्स का विश्लेषण करेंगे जैसे कि संगठनात्मक संस्कृति और संरचना, प्रशासनिक समर्थन, सहयोगात्मक कार्य वातावरण, और प्रशिक्षण और विकास के अवसर।

इस अध्ययन के माध्यम से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे संगठनात्मक वातावरण को सुधारकर शिक्षकों का शिक्षण कौशल और प्रदर्शन बेहतर बनाया जा सकता है। इससे शिक्षा नीति निर्माताओं और विद्यालय प्रशासन को उनकी नीतियों और कार्यक्रमों को शिक्षकों के लिए और अधिक प्रभावी और उपयोगी बनाने के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

2. समस्या विवरण

शिक्षकों के शिक्षण कौशल पर संगठनात्मक वातावरण का प्रभाव एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण विषय है, खासकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में। शिक्षकों के प्रदर्शन और उनकी शिक्षा कौशल का स्तर स्कूली संगठनात्मक वातावरण के प्रति निर्भर करता है। इस

समस्या के पारिभाषिक विवरण में, निम्नलिखित पहलुओं को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है:

1. **संगठनात्मक संस्कृति और संरचना**: विद्यालय की संगठनात्मक संस्कृति, नीतियां, और संरचना शिक्षकों के शिक्षण कौशल पर कैसा प्रभाव डालती है?
2. **प्रशासनिक समर्थन**: स्कूल प्रशासन के द्वारा प्रदान किए गए संरक्षण, संरचना, और रिसोर्सेज का स्तर कैसे शिक्षकों के प्रदर्शन को प्रभावित करता है?
3. **सहयोगात्मक कार्य वातावरण**: शिक्षकों के बीच सहयोग और संदर्भ का स्तर कैसे उनके शिक्षण कौशल को प्रभावित करता है?
4. **शिक्षक प्रशिक्षण और विकास के अवसर**: संगठनात्मक वातावरण के अंतर्गत कैसे प्रदान किए गए प्रशिक्षण और विकास के अवसर शिक्षकों के कौशलों को प्रभावित करते हैं?

इन समस्याओं के समाधान के माध्यम से, हम शिक्षकों के शिक्षण कौशल में सुधार के लिए संगठनात्मक वातावरण को कैसे और कहां सुधार सकते हैं, इस पर विचार करेंगे। यह अध्ययन शिक्षा नीति निर्माताओं और स्कूल प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण संदेश और सिफारिशों को प्रदान करेगा जिससे वे अपने संगठनों में बेहतर शिक्षण कार्यक्रम स्थापित कर सकें।

3. संगठनात्मक वातावरण और अध्यापक

संगठनात्मक वातावरण और अध्यापक का संबंध शिक्षा के क्षेत्र में विशेष महत्व रखता है। एक संगठनात्मक वातावरण शिक्षा संस्थान में एक सहयोगी, सक्रिय और शिक्षा को बढ़ावा देने वाला माहौल बनाता है। अध्यापक इस प्रकार के वातावरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो छात्रों के विकास में मदद करते हैं और उन्हें सफलता की ओर प्रेरित करते हैं।

प्रथम, एक संगठनात्मक वातावरण शिक्षा संस्थान में अध्यापकों को उनके कार्य में समर्थन और संबोधन की जरूरत होती है। एक सहयोगी और सक्रिय वातावरण में, अध्यापक आत्म–सार्थकता का माहौल बनाते हैं जो उन्हें अधिक प्रोत्साहित करता है और उनके शिक्षा–कार्य में सफलता की ओर आगे बढ़ता है। उन्हें नए विचारों और अनुभवों को स्वागत करने का मौका मिलता है, जो उन्हें अपने कार्य को अद्वितीय और प्रेरणादायक बनाने में मदद कर सकते हैं।

द्वितीय,, एक संगठनात्मक वातावरण में, अध्यापक छात्रों को समर्थन और प्रेरणा प्रदान करते हैं। छात्र उनके मार्गदर्शन में विश्वास करते हैं और उनके संबंधों में एक साथी के रूप में उनसे जुड़ते हैं। अध्यापक उन्हें उनके शैक्षिक और व्यक्तिगत लक्ष्यों की ओर प्रेरित करते हैं और उन्हें उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक साधनों की पहचान में मदद करते हैं।

तृतीय, संगठनात्मक वातावरण अध्यापकों और छात्रों के बीच साझा जिम्मेदारियों को बढ़ावा देता है। एक सहयोगी और सक्रिय माहौल में, छात्रों को स्वतंत्रता के साथ अपनी शिक्षा की निर्माण करने की अनुमति मिलती है, जबकि अध्यापकों को उनकी प्रगति को मॉनिटर और मार्गदर्शन करने का अवसर मिलता है। इस प्रकार, दोनों ही पक्ष एक–दूसरे के साथ मिलकर काम करते हैं और साझेदारी में विश्वास और समर्थन बनाए रखते हैं।

चतुर्थ, एक संगठनात्मक वातावरण में अध्यापक और छात्र दोनों ही अपने अभियान्त्रिकी, उत्प्रेरणात्मक और रचनात्मक कौशलों को विकसित कर सकते हैं। वे एक–दूसरे के विचारों और धारणाओं का समर्थन करते हैं और उन्हें विभिन्न पहलुओं से देखने की प्रेरणा देते हैं। अध्यापक छात्रों को नए और नवीनतम विचारों के साथ समर्थन करते हैं और छात्रों को उनके विचारों को व्यक्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

पंचम, एक संगठनात्मक वातावरण अध्यापकों को नए और अद्वितीय शिक्षा–प्रणालियों का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। वे नए शिक्षा–प्रणालियों को अपनाकर छात्रों के साथ सीखने के नए तरीकों को खोजते हैं और उन्हें एक आकर्षक और उत्कृष्ट शिक्षा–प्रणाली की ओर प्रेरित करते हैं। इस प्रकार, वे छात्रों के विचारों और शिक्षा–प्राप्ति के प्रकारों को समझने में मदद करते हैं और उन्हें सक्षम नागरिकों के रूप में विकसित करने में मदद करते हैं।

इन सभी कारणों से, संगठनात्मक वातावरण और अध्यापक का संबंध शिक्षा के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण है। एक सहयोगी, सक्रिय और संबोधनात्मक माहौल में, अध्यापक छात्रों के विकास को समर्थन और प्रेरणा प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने शिक्षा के क्षेत्र में सफलता की ओर अग्रसर हो सकें।

शिक्षा क्षेत्र में संगठनात्मक वातावरण का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक संगठनात्मक वातावरण स्कूल, कॉलेज, या किसी भी शिक्षा संस्थान में एक सामूहिक और सहयोगी माहौल बनाता है जो छात्रों और शिक्षकों के विकास को प्रोत्साहित करता है। इस तरह का वातावरण शिक्षा के लिए एक संजीवनी होता है जो न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाता है, बल्कि छात्रों को एक सही दिशा में ले जाता है। इस प्रकार के वातावरण में, अध्यापक और छात्र एक दूसरे के साथ संवाद करने, समस्याओं का समाधान करने, और सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किए जाते हैं। यह उन्हें साझा दृष्टिकोण और साझा संस्कृति विकसित करने का अवसर देता है, जो उनके शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास को समृद्ध करता है। अध्यापकों को छात्रों के साथ एक साझा उद्देश्य की दिशा में काम करने का अवसर मिलता है, जो उनके शिक्षा के प्रकार और उनके संबंधों को स्थायी रूप से प्रभावित करता है।

इस तरह के संगठनात्मक वातावरण में, छात्रों को स्वतंत्रता और सामर्थ्य का महसूस होता है। वे अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकते हैं और नए और नवीनतम विचारों को समझने का मौका प्राप्त कर सकते हैं। छात्रों को अपने शिक्षा के माध्यम से समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित करने में मदद मिलती है और उन्हें आत्मनिर्भर और सक्रिय नागरिकों के रूप में स्थापित करने में मदद करता है।

संगठनात्मक वातावरण और अध्यापकों के संबंध शिक्षा के क्षेत्र में एक समृद्ध और सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। यह शिक्षा संस्थानों में एक सामूहिक और सहयोगी भावना का निर्माण करता है, जो छात्रों को उनके शैक्षिक और व्यक्तिगत लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद करता है। अध्यापक छात्रों को नए और विचारों के साथ संवाद करने, उन्हें समर्थन और प्रेरणा प्रदान करने में सक्षम होते हैं, जिससे वे अपने विकास के मार्ग पर अग्रसर हो सकें। संगठनात्मक वातावरण और अध्यापक के बीच संबंध शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आधार बनाते हैं। एक विशेष रूप से डिजाइन किया गया वातावरण छात्रों को उनके शैक्षिक यात्रा के दौरान स्थिरता और समर्थन प्रदान करता है। अध्यापकों की भूमिका इस प्रकार के माहौल में अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि वे छात्रों को निरंतर मार्गदर्शन, प्रेरणा और समर्थन प्रदान करते हैं। उनका साथी बनना और उनके साथ आत्मिक जुड़ाव उन्हें उनके शिक्षा के लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ने में मदद करता है। इस तरह का संबंध एक संगठित, सहयोगी, और उत्साही वातावरण बनाता है जो शिक्षा के क्षेत्र में सफलता को प्रोत्साहित करता है। संगठनात्मक वातावरण और अध्यापक का संबंध शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख अंश है, जो शिक्षा संस्थानों में एक सहयोगी और सक्रिय माहौल बनाता है। यह माहौल छात्रों को

विकसित करने और सीखने के लिए अनुकूल होता है, जबकि अध्यापकों को छात्रों को मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करने का अवसर प्राप्त होता है। एक संगठित और समर्थ माहौल में, अध्यापक और छात्र सहयोग करते हैं और एक–दूसरे को समर्थन प्रदान करते हैं ताकि सभी का विकास हो सके। इस प्रकार का संबंध शिक्षा संस्थानों के अनुकूल विकास और उनकी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान करता है।

4. अध्ययन के उद्देश्य

वर्तमान में ज्ञान की प्रत्येक भााखा के गहन के लिये भोध भाब्द का प्रयोग बहुतायत में किया जाने लगा है। ि ाक्षा तथा मनोविज्ञान के क्षेत्र में अब ' ोध' अपरिचित नहीं रह गया है। भोध की प्रकृति के बारे में विचार करने से पहले इस अर्थ में प्रयुक्त होने वाले भोध भाब्द को समझना उचित प्रतीत होता है। भोध भाब्द एक प्रकार की भाुद्धि, संस्कार या सं ोधन का अर्थ देता, इस सन्दर्भ में यह कहा जा सकता है कि प्रदत्तो के वि लेषण, सारणीयन और स्पष्टीकारण के लिये भोध भाब्द का प्रयोग कर तो सकते है किन्तु इससे व्यापक निष्कर्षो तक पहुंचने की प्रक्रिया का आभास नहीं मिलता है।

भाटिया एवं भाटिया के अनुसार, – ''उद्देश्यों के ज्ञान के अभाव में अध्यापक उस नाविक के समान है जो यह नहीं जानता कि उसें कहाँ जाना है? और शिक्षार्थी उस पतवार विहीन नौका के समान है जो लहरों के थपेड़ें खाकर कहीं किनारें पर जा लगेगी।

संसार में जितनी भी क्रियायें होती है, वे किसी लक्ष्य की ओर उन्मुख होती है। लक्ष्य या उद्दे य विहीन कार्य निरर्थक होते है। भोध एक सोद्दे य प्रक्रिया है। अध्ययन के उद्दे य ही भोध प्रक्रिया में भोधार्थी को क्रिया ील बनाते है। वस्तुतः उद्दे यों के ज्ञान के अभाव में भोधार्थी उस नाविक के समान है जिसे अपने गंतव्य स्थल का ज्ञान नहीं है। वास्तव में अध्ययन के उद्दे य वो पथ–प्रद ाक दीपक है जो भोधार्थी को उचित मार्ग दिखाता है। कोई भी भोध कार्य नि ित उद्दे यों को ध्यान में रखकर ही प्रारम्भ किया जाता है क्योंकि उद्दे यों का निर्धारण एक ऐसे पथ का निर्माण करता है जिस पर चलकर सम्पूर्ण भोध की प्रक्रिया संचालित एवं सम्पादित की जाती है। उद्देश्यों का निर्धारण भटकाव की स्थिति को रोकता है। प्रस्तुत भोध कार्य निम्न बिन्दुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है –

1. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के शिक्षण कौशल पर संगठनात्मक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संगठनात्मक वातावरण के लाभों और चुनौतियों का अध्ययन करना।
3. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों की प्रभावशीलता पर संगठनात्मक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।
4. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों की अध्यापन प्रक्रिया में संगठनात्मक वातावरण के प्रेरणात्मक प्रभाव का अध्ययन करना।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण में कार्यरत अध्यापकों की सहभागिता का अध्ययन करना।

5. निष्कर्ष

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संगठनात्मक वातावरण का शिक्षकों के शिक्षण कौशल पर प्रभाव अध्ययन ने हमें यह दिखाया है कि संगठनात्मक परिवेश शिक्षकों

के प्रदर्शन और उनके शिक्षण कौशल को सीधे और प्रभावी तरीके से प्रभावित करता है।

इस अध्ययन के माध्यम से हमने देखा कि संगठनात्मक संस्कृति, प्रशासनिक समर्थन, सहयोगात्मक कार्य वातावरण, और शिक्षक प्रशिक्षण के अवसरों के माध्यम से शिक्षकों के प्रदर्शन में सुधार किया जा सकता है। संगठनात्मक वातावरण को सुधारकर, शिक्षकों को अधिक समर्पित, संवेदनशील और प्रोफेशनल बनाया जा सकता है, जो फिर से शिक्षा प्रक्रिया को मजबूती से समर्थन करता है। इस समापन के माध्यम से हमारा लक्ष्य है कि शिक्षा नीति निर्माताओं और स्कूल प्रशासन को यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे वे संगठनात्मक वातावरण को बेहतर बना सकते हैं, जिससे शिक्षकों का प्रदर्शन और उनकी शिक्षा कौशल में सुधार हो सके। इससे न केवल शिक्षा स्तर बढ़ेगा, बल्कि छात्रों के लिए भी एक गुणवत्ता और सकारात्मक शिक्षा अनुभव सुनिश्चित होगा।

सन्दर्भ

1-flag] v:.k dqekj] ″mPPkrj lkekU; euksfoKku″] eksrhyky cukjlhnkl çdk'ku caxyk jksM] bykgkckn] 2005-

2-’kjhu ,oa ’kjhu] ″’kSf{kd vuqla/kku fof/k;ka″] fouksn iqLrd eafnj] vkxjk] i`"B la[;k & 58] 59] 2003-

3-mik/;k;] izfrHkk] ″Hkkjrh; f'k{kk esa mnh;eku izo`fÙk;k″] 'kkjnk iqLrd Hkou] ;wfuoflZVh jksM] bykgkckn] 2000-

4-foosd dqekj flag] ″y?kq vuqla/kku izca/k]″] vkj- vkj- ih- th- dkyst] vesBh] 2002-

5-oekZ] th- ,l] ″Hkkjr esa 'kSf{kd iz.kkyh dk fodkl″] b.Vjus'kuy ifCyflax gkml] esjB] 2005-

6-oekZ] izhfr ,oa JhokLro] Mh- ,u- ″euksfoKku ,oa f'k{kk esa lkaf[;dh″] fouksn iqLrd eafnj] jkaxs; jk?ko ekxZ] vkxjk] 2004-